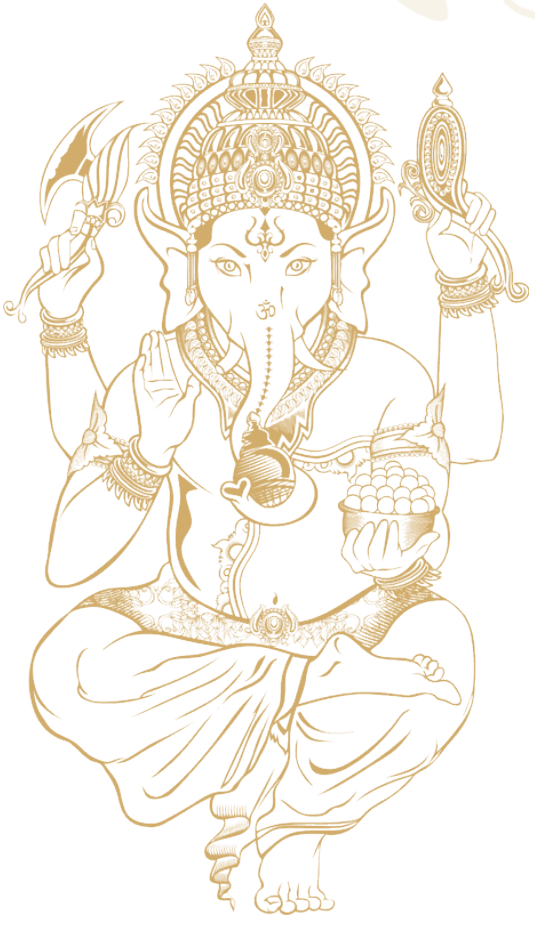

Kushagra Goyal

01 Aug 1992

10:00 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121082403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/08/1992**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	10:45:51 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:37:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:17 घंटे
साम्पातिक काल	06:18:04 घंटे
सूर्योदय	05:41:39 घंटे
सूर्यास्त	19:14:35 घंटे
दिनमान	13:32:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:25:03 कर्क
लग्न के अंश	10:11:35 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	परिघ
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टा-टाटा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:11:35	315:21:26	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	15:25:03	00:57:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	19:06:55	14:59:00	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	09:53:42	00:40:19	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	कर्क	18:17:25	00:45:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	21:24:57	00:11:36	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	28:45:40	01:13:50	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
शनि	व		मक	21:50:33	00:04:27	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	06:18:13	00:05:28	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	06:18:13	00:05:28	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	21:19:59	00:02:08	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	23:13:15	00:01:28	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:23:25	00:00:03	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			मिथु	10:23:29	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:31

लग्न-चलित

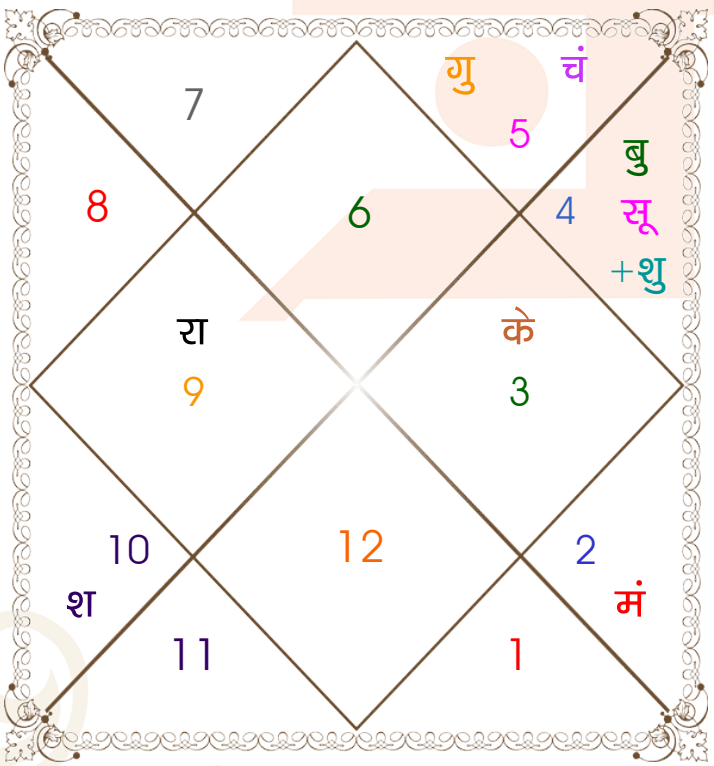

चन्द्र कुंडली

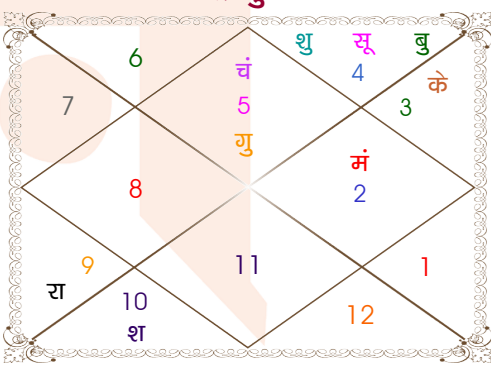

नवमांश कुंडली

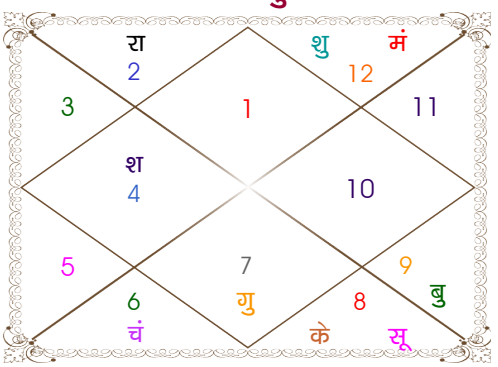

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 3 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/08/1992		29/11/2003		29/11/2009		29/11/2019		29/11/2026	
29/11/2003		29/11/2009		29/11/2019		29/11/2026		28/11/2044	
	00/00/0000	सूर्य	18/03/2004	चंद्र	29/09/2010	मंगल	26/04/2020	राहु	11/08/2029
	00/00/0000	चंद्र	16/09/2004	मंगल	30/04/2011	राहु	15/05/2021	गुरु	05/01/2032
	00/00/0000	मंगल	22/01/2005	राहु	29/10/2012	गुरु	21/04/2022	शनि	11/11/2034
	01/08/1992	राहु	17/12/2005	गुरु	28/02/2014	शनि	31/05/2023	बुध	30/05/2037
राहु	29/01/1994	गुरु	05/10/2006	शनि	29/09/2015	बुध	27/05/2024	केतु	18/06/2038
गुरु	29/09/1996	शनि	17/09/2007	बुध	28/02/2017	केतु	23/10/2024	शुक्र	17/06/2041
शनि	29/11/1999	बुध	24/07/2008	केतु	29/09/2017	शुक्र	23/12/2025	सूर्य	12/05/2042
बुध	29/09/2002	केतु	28/11/2008	शुक्र	31/05/2019	सूर्य	30/04/2026	चंद्र	11/11/2043
केतु	29/11/2003	शुक्र	29/11/2009	सूर्य	29/11/2019	चंद्र	29/11/2026	मंगल	28/11/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/11/2044		28/11/2060		29/11/2079		28/11/2096		30/11/2103	
28/11/2060		29/11/2079		28/11/2096		30/11/2103		00/00/0000	
गुरु	17/01/2047	शनि	02/12/2063	बुध	27/04/2082	केतु	27/04/2097	शुक्र	01/04/2107
शनि	30/07/2049	बुध	11/08/2066	केतु	24/04/2083	शुक्र	27/06/2098	सूर्य	31/03/2108
बुध	05/11/2051	केतु	20/09/2067	शुक्र	22/02/2086	सूर्य	01/11/2098	चंद्र	30/11/2109
केतु	11/10/2052	शुक्र	20/11/2070	सूर्य	29/12/2086	चंद्र	03/06/2099	मंगल	30/01/2111
शुक्र	12/06/2055	सूर्य	02/11/2071	चंद्र	30/05/2088	मंगल	30/10/2099	राहु	02/08/2112
सूर्य	30/03/2056	चंद्र	02/06/2073	मंगल	27/05/2089	राहु	17/11/2100		00/00/0000
चंद्र	30/07/2057	मंगल	12/07/2074	राहु	14/12/2091	गुरु	24/10/2101		00/00/0000
मंगल	06/07/2058	राहु	18/05/2077	गुरु	21/03/2094	शनि	03/12/2102		00/00/0000
राहु	28/11/2060	गुरु	29/11/2079	शनि	28/11/2096	बुध	30/11/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 4 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।